भारतीय ज्ञान परम्परा

भारत की प्राचीन एवं समृद्ध बौद्धिक विरासत

डॉ इति बैनर्जी
सहायक प्राध्यापक
दुर्गा महाविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

बौद्धिक विरासत – परिचय

- मौखिक परम्परा
- गुरु शिष्य
- प्राचीन ग्रंथों का संरक्षण

वेद

- ऋग्वेद
- यजुर्वेद
- सामवेद
- अथर्ववेद

उपनिषद

आत्मा और ब्रम्हा ज्ञान
अहं ब्रम्हास्मि
तत्वमसि जैसे महावाक्य

दर्शन शास्त्र

सांख्य
योग
वैशेषिक
न्याय
मीमांसा
वेदांत

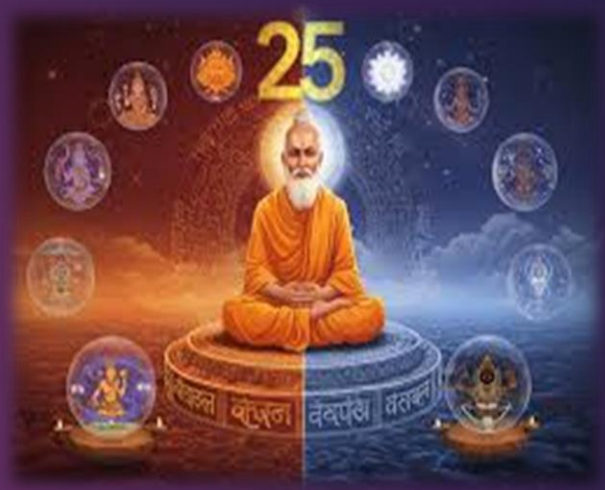

आयुर्वेद

चरक

सुश्रुत

त्रिदोष सिद्धांत

जीवन शैली और स्वास्थ्य

गणित और ज्योतिषी

शून्य की खोज

आर्यभट्ट

पंचांग

ग्रह-नक्षत्र

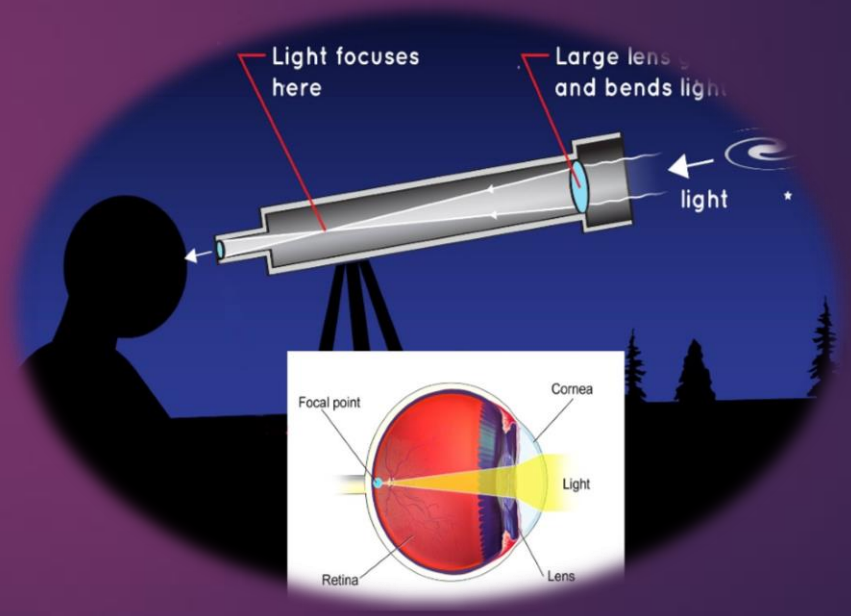

वास्तु और शिल्पकला

मंदिर निर्माण

वास्तुशास्त्र की विधियाँ

संगीत और नाट्य

नाट्य शास्त्र
राग –रागिनी
भरत नाट्यम

शिक्षा प्रणाली

तक्षशिला

नालंदा

गुरुकुल प्रणाली

निष्कर्ष

भारतीय ज्ञान पम्परा की आज की प्रासंगिकता सिद्ध होती है -

“विश्व गुरु भारत”

धन्यवाद